Integral Research

(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व का उनकी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के सम्बन्ध में अध्ययन

[1]रोहित कुमार सिंह [2]प्रो० डॉ० प्रभात शुक्ल

[1]शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
[2]प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग, स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज, शाहजहाँपुर

शोध सार

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना था। यह अध्ययन सर्वेक्षण आधारित वर्णनात्मक अनुसंधान पद्धति पर आधारित था। अध्ययन हेतु उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जनपद में स्थित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त 94 माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 एवं 12 में अध्यापनरत 299 अध्यापकों का चयन द्विस्तरीय क्रमबद्ध प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया। चयनित न्यादर्श में 179 पुरुष एवं 120 महिला अध्यापक तथा कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के क्रमशः 126, 119 एवं 54 अध्यापक सम्मिलित थे। आँकड़ों के संकलन हेतु प्रतिभा शर्मा द्वारा निर्मित 'शिक्षक कार्य उत्तरदायित्व मापनी' तथा शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित 'अध्यापक शिक्षण अभिवृत्ति मापनी' का प्रयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण हेतु सहसम्बन्ध गुणांक का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणामों से स्पष्ट हुआ कि अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7808$, $p < 0.01$)। पुरुष ($r = 0.7902$), महिला ($r = 0.7686$), कला ($r = 0.7537$), विज्ञान ($r = 0.8058$) तथा वाणिज्य वर्ग ($r = 0.8147$) के अध्यापकों में भी धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त संस्था, प्रधानाचार्य, विद्यार्थियों, कक्षा-शिक्षण, शिक्षण-व्यवसाय, सहकर्मियों तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व के सभी आयामों का शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति से सार्थक सम्बन्ध पाया गया। अतः अध्ययन की सभी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की गईं। निष्कर्षतः अध्यापकों के उच्च कार्य उत्तरदायित्व का सम्बन्ध शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से पाया गया। यह अध्ययन शिक्षक शिक्षा, व्यावसायिक विकास तथा विद्यालयीय कार्यप्रणाली में सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

Keywords: कार्य उत्तरदायित्व, शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति, माध्यमिक विद्यालय, अध्यापक, सहसम्बन्ध, शिक्षण व्यवसाय।

परिचय:

मनुष्य अन्य प्राणियों की तुलना में विशिष्ट है, क्योंकि उसमें ज्ञान अर्जित करने, विचार करने तथा अपने जीवन को निरंतर विकसित करने की क्षमता होती है। ज्ञान की प्राप्ति का प्रमुख माध्यम शिक्षा है। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व को परिष्कृत करती है तथा उसे जीवनोपयोगी कौशलों से संपन्न बनाती है। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा उसे विभिन्न प्रकार के ज्ञान, क्षमताओं और व्यवहारिक कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान करती है। शिक्षा की प्रक्रिया में उचित दिशा एवं मार्गदर्शन का विशेष महत्व होता है। इस कार्य में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वर्तमान शैक्षिक परिवेश में शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं रह गया है, बल्कि वह अभिभावक, परामर्शदाता, मार्गदर्शक तथा आदर्श व्यक्तित्व के रूप में भी कार्य करता है। अतः विद्यार्थियों के शैक्षिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत विकास में शिक्षक का योगदान व्यापक और बहुआयामी होता है।

शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं। वे विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों एवं आकांक्षाओं की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं तथा उनकी क्षमताओं के विकास हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यवस्तु तीन प्रमुख घटक माने जाते हैं, किंतु इन तीनों के प्रभावी समन्वय में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है। इसी संदर्भ

Received **06 September 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September 2026**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

में जॉन एडम्स ने शिक्षक को "मनुष्य का निर्माता" कहा है। इसी प्रकार ब्रूबेकर ने स्पष्ट किया है कि सभ्यता और समाज की प्रगति बहुत हद तक शिक्षक की योग्यता एवं दक्षता पर निर्भर करती है। शिक्षक किसी भी शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख आधार होता है, जिसकी भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक एवं भावनात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण होती है। शिक्षण प्रक्रिया की प्रभावशीलता शिक्षक की कार्यकुशलता, उत्तरदायित्वबोध तथा शिक्षण के प्रति उसकी अभिवृत्ति पर निर्भर करती है। अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्वों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का संचालन, विद्यार्थियों का मार्गदर्शन, मूल्यांकन, अनुशासन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन तथा विद्यालयीय प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन सम्मिलित है। इन उत्तरदायित्वों के प्रति शिक्षकों की प्रतिबद्धता उनके शिक्षण व्यवहार एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती है। शिक्षण के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति अध्यापकों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रेरित करती है। अतः अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षक की व्यावसायिक दक्षता तथा विद्यालयीय प्रभावशीलता को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अध्ययन की आवश्यकता :-

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होती है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमुख केन्द्र शिक्षक होता है। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, मूल्यों, कौशलों और सामाजिक चेतना का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक होता है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था की सफलता बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक अपने कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन कितनी निष्ठा, उत्तरदायित्व-बोध और प्रतिबद्धता के साथ करता है।

शिक्षण कार्य एक बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें पाठ योजना, अध्यापन, मूल्यांकन, अनुशासन, मार्गदर्शन, सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ तथा विद्यालयीय उत्तरदायित्व सम्मिलित होते हैं। इन सभी कार्यों के प्रभावी निर्वहन में शिक्षक की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि शिक्षक की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक होगी, तो वह अपने कार्यों को अधिक लगन, रुचि और दक्षता के साथ संपादित करेगा। इसके विपरीत नकारात्मक अभिवृत्ति कार्य निष्पादन एवं शैक्षिक गुणवत्ता दोनों को प्रभावित कर सकती है।

प्रस्तुत शोध विषय से संबंधित पूर्व अध्ययनों के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति पर पृथक-पृथक अध्ययन किए गए हैं, परंतु इन दोनों चरों के पारस्परिक सम्बन्ध का समग्र अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। अतः 'अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व का उनकी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के सम्बन्ध में अध्ययन' विषय पर शोध करना आवश्यक एवं सार्थक प्रतीत होता है। इस अध्ययन के माध्यम से अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सम्बन्ध को स्पष्ट करने तथा शिक्षक व्यवहार, शैक्षिक गुणवत्ता एवं विद्यालयीय प्रभावशीलता के विकास हेतु उपयोगी निष्कर्ष प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

थॉमस, एम. (2025) ने अध्ययन के उपरान्त निष्कर्ष निकाला कि तीनों मुख्य चरों के बीच सकारात्मक सहसंबंध पाया

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

गया, हालाँकि प्रतिगमन विश्लेषण से पता चला कि स्वायत्तता समर्थन और व्यक्तित्व लक्षणों का शिक्षकों के उत्तरदायित्व पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है। चटर्जी, सोनाली (2024) ने अपने अध्ययन में पाया कि चुने गए मानदंडों के संबंध में दोनों समूहों के शिक्षकों का कार्य उत्तरदायित्व का स्तर समान पाया गया। परिणाम से भी यह निष्कर्ष निकला कि अन्य कारक भी शिक्षकों के कार्य उत्तरदायित्व को प्रभावित करते हैं। खान, एस.ए. एवं राजू, बी. (2023) ने अपने अध्ययन में स्पष्ट किया कि अध्यापकों की कार्य उत्तरदायित्वशीलता विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता, उपलब्धि और शैक्षिक वातावरण की प्रभावशीलता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रतिगमन विश्लेषण में शिक्षक-उत्तरदायित्व और शैक्षिक गुणवत्ता के मध्य मजबूत सम्बन्ध पाया गया, जिससे यह सिद्ध होता है कि उत्तरदायी अध्यापक विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया, प्रदर्शन और भविष्य की शैक्षिक प्रगति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। इस्लाम, तौहीद (2022) ने निष्कर्ष रूप में पाया कि, अधिकांश शिक्षक प्रशिक्षकों में उत्तरदायित्व, शिक्षण प्रभावशीलता और कार्य संतुष्टि का स्तर औसत था। संस्थाओं की तुलना में, निजी संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षक अपने सरकारी समकक्षों की तुलना में अधिक जवाबदेह पाए गए। हालांकि, सरकारी संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता और कार्य संतुष्टि दोनों निजी संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षकों की तुलना में अधिक प्रभावी और अधिक संतुष्ट पाए गए। बेहेरा, पी. और बेहेरा, एल. (2021) ने अध्ययन में निष्कर्ष रूप में पाया कि शिक्षकों में उत्तरदायित्व और शिक्षण दक्षता के बीच एक मध्यम और सकारात्मक सहसंबंध है। हालाँकि पुरुष और महिला शिक्षकों की दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं था, लेकिन नियमित और अस्थायी शिक्षकों के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में सार्थक अंतर पाए गए।

देवी, कोनसम रोमिता (2025) ने अध्ययन के निष्कार्षों में पाया कि प्राथमिक विद्यालयों की शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में शिक्षण अनुभव तथा आयु के आधार पर सार्थक अन्तर था। कुमारी, माधुरी (2024) ने कोल्हन विश्वविद्यालय के भावी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामों में पाया गया कि भावी शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक थी। इसके अलावा लिंग, संकाय तथा स्थानीयता के आधार पर भावी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर था। यादव, संदीप कुमार (2023) ने, 'जौनपुर जनपद के माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण-व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति, शिक्षण प्रभावशीलता के सम्बन्ध में शैक्षिक अध्ययन' विषय पर शोध कार्य किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि जौनपुर जनपद के माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की लिंग (पुरूष एवं महिला), क्षेत्र (ग्रामीण एवं शहरी) तथा वित्त (अनुदानित एवं वित्तविहीन विद्यालय) के आधार पर शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति तथा शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर था।

समस्या कथन:-

अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व का उनकी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के सम्बन्ध में अध्ययन

प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयुक्त प्रमुख शब्दों को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है-

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

अध्यापकः- उक्त शोध में अध्यापक से आशय जनपद शाहजहाँपुर में स्थित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 एवं 12 में अध्यापन करने वाले विज्ञान, कला एवं वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों से है।

कार्य उत्तरदायित्वः- 'उत्तरदायित्व किसी व्यक्ति पर किसी निश्चित कार्य को करने का दायित्व है जो कि अधिकारी एवं अधीनस्थों के संगठन में औपचारिक सम्बन्धों के कारण उत्पन्न होता है।' शोध अध्ययन में कार्य उत्तरदायित्व के अन्तर्गत अध्यापकों हेतु निर्धारित कार्यों के प्रति अध्यापकों की जवाबदेही की भावना को सम्मिलित किया जाएगा।

शिक्षण के प्रति अभिवृत्तिः- अभिवृत्ति से अभिप्राय व्यक्ति के उस दृष्टिकोण से होता है जो किसी व्यक्ति, वस्तु, संस्था या स्थिति के प्रति किसी विशेष प्रकार के व्यवहार को इंगित करता है। अध्ययन में अध्यापकों की अपने शिक्षण कार्य के प्रति अभिवृत्ति को सम्मिलित किया जाएगा।

अध्ययन के उद्देश्यः-

- अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
- पुरूष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
- महिला अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
- विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
- कला वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
- वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनायें

- अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
- पुरुष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
- महिला अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
- विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

- कला वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
- वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

अध्ययन का सीमांकन

- प्रस्तुत अध्ययन हेतु केवल जनपद शाहजहाँपुर को सम्मिलित किया गया है।
- अध्ययन हेतु केवल जनपद शाहजहाँपुर के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद से मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है।
- जनपद शाहजहाँपुर के माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान, कला तथा वाणिज्य के अध्यापकों को सम्मिलित किया गया है।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अनुसंधान सर्वेक्षण आधारित वर्णनात्मक प्रकृति का अनुसंधान है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अनुसंधान में समग्र से तात्पर्य जनपद शाहजहाँपुर में स्थित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान, कला एवं वाणिज्य तीनों वर्गों के शिक्षकों से है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श चयन

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शाहजहाँपुर जनपद में स्थित माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान, कला एवं वाणिज्य विषय का अध्यापन करने वाले शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श का चयन द्विस्तरीय प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। जिसमें प्रथम स्तर पर जनपद शाहजहाँपुर में स्थित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में से 50 प्रतिशत विद्यालयों का चयन क्रमागत प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। जिस हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय शाहजहाँपुर से प्राप्त विद्यालयों की सूची को आधार बनाया गया। जनपद शाहजहाँपुर में ऐसे कुल विद्यालयों की संख्या 188 है। जिनमें से 94 विद्यालय न्यादर्श के रूप में चयनित किये गये। द्वितीय स्तर पर चयनित माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान, कला एवं वाणिज्य विषय का अध्यापन करने वाले शिक्षकों में से 50 प्रतिशत शिक्षकों का चयन क्रमागत प्रतिचयन विधि से किया गया है। इस प्रकार कुल 94 माध्यमिक विद्यालयों की सूची से 299 शिक्षक न्यादर्श के रूप में चयनित हुए।

प्रयुक्त उपकरण

कार्य उत्तरदायित्व:- कार्य उत्तरदायित्व के मापन के लिए प्रतिभा शर्मा द्वारा निर्मित तथा नेशनल साइकोलॉजिकल कॉर्पोरेशन आगरा द्वारा प्रकाशित 'शिक्षक कार्य उत्तरदायित्व मापनी' (Teachers Work Accountability Scale TWAS) का प्रयोग किया गया है।

शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति :- शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मापन के लिए अध्यापक शिक्षण अभिवृत्ति मापनी का निर्माण शोधकर्ता द्वारा स्वयं किया गया है।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

IR
Integral Research

Integral Research

(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

प्रयुक्त सांख्यिकी

प्राप्त आंकड़ों को शोध के उद्देश्यों के अनुसार वर्गीकृत तथा सारणीबद्ध किया जायेगा। जिसके पश्चात सहसंबंध गुणांक तथा सम्भाव्य विभ्रम का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निर्वचन

परिकल्पना के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत प्रस्तुत है-

परिकल्पनां संख्या 01 अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

माध्यमिक स्तर के अध्यापक (N=299)	कार्य उत्तरदायित्व	शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति							
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.5239**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7048**	0.63828**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.6184**	0.60452**	0.64989**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.6498**	0.60288**	0.76083**	0.707624**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7730**	0.52401**	0.73399**	0.616104**	0.691064**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.5558**	0.54099**	0.58270**	0.589584**	0.622197**	0.54617**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.8379**	0.73210**	0.89500**	0.832289**	0.892636**	0.84648**	0.722046**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.7008**	0.55735**	0.69390**	0.644891**	0.682388**	0.66558**	0.540235**	0.780784**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक तथा सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.780784) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7008), विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.69390), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.682388), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.66558), कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.644891), प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.55735) तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r =

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

0.540235) के साथ भी धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सम्बन्ध विद्यमान है। यह सम्बन्ध दोनों चरों के पारस्परिक जुड़ाव को दर्शाता है, यद्यपि इससे कारणात्मक प्रभाव की पुष्टि नहीं होती।

परिकल्पनां संख्या 02 पुरुष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

पुरूष शिक्षक (N= 179)	कार्य उत्तरदायित्व								शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.4678**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.6758**	0.6589**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.6040**	0.6309**	0.6636**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.6132**	0.6135**	0.7362**	0.7224**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7619**	0.5512**	0.7153**	0.6148**	0.6659**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.5918**	0.5227**	0.6166**	0.6586**	0.6240**	0.5642**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.8182**	0.7378**	0.8892**	0.8479**	0.8820**	0.8401**	0.7533**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.7053**	0.6095**	0.6912**	0.6501**	0.6764**	0.6700**	0.5623**	0.7902**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि पुरुष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के विभिन्न आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.7902) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7053), विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6912), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6764), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6700), कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6501), प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6095) तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.5623) के साथ भी धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। सभी सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 स्तर पर सार्थक पाए गए। प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि पुरुष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अतः शून्य परिकल्पना संख्या 02 अस्वीकृत की जाती है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि पुरुष अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

IR Integral Research
Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति में सकारात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।

परिकल्पनां संख्या 03 महिला अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

महिला शिक्षक (N=120)	कार्य उत्तरदायित्व								शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.6089**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7407**	0.5794**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.6279**	0.5357**	0.6025**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.6986**	0.5606**	0.7850**	0.6618**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7826**	0.4499**	0.7531**	0.5994**	0.7201**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.4705**	0.5626**	0.5097**	0.4379**	0.6098**	0.4983**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.8674**	0.7071**	0.8961**	0.7924**	0.9040**	0.8504**	0.6584**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.6922**	0.4605**	0.6982**	0.6322**	0.6892**	0.6528**	0.4954**	0.7686**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि महिला अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.7686) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6982), संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6922), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6892), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6528), कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6322), समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.4954) तथा प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.4605) के साथ भी सकारात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। सभी सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 स्तर पर सार्थक पाए गए।

प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि महिला अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अतः महिला अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि महिला अध्यापकों में उच्च कार्य उत्तरदायित्व का सम्बन्ध शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से है। हालांकि

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

IR Integral Research

Integral Research

(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

सहसम्बन्ध के आधार पर कारणात्मक प्रभाव स्थापित नहीं किया जा सकता।

परिकल्पनां संख्या 04 कला वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

कला वर्ग शिक्षक (N= 126)	कार्य उत्तरदायित्व								शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.6026**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7132**	0.6150**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.6711**	0.6769**	0.6868**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.6747**	0.6476**	0.7593**	0.7649**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7742**	0.5111**	0.7693**	0.6137**	0.6778**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.5132**	0.5434**	0.5209**	0.5756**	0.6424**	0.5315**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.8527**	0.7581**	0.8889**	0.8662**	0.9011**	0.8419**	0.6952**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.7226**	0.4567**	0.6692**	0.6827**	0.6566**	0.6184**	0.5155**	0.7537**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि कला वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.7537) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7226), कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6827), विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6692), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6566), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6184), समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.5155) तथा प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.4567) के साथ भी सकारात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। सभी सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 स्तर पर सार्थक पाए गए।

प्राप्त परिणामों से स्पष्ट होता है कि कला वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अतः कला वर्ग के अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि कला वर्ग के अध्यापकों में कार्य उत्तरदायित्व का उच्च स्तर शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से सम्बन्धित है। तथापि, यह परिणाम केवल दोनों चरों के पारस्परिक सम्बन्ध को प्रदर्शित करता है, न कि किसी कारणात्मक प्रभाव को।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

IR Integral Research

Integral Research

(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

परिकल्पनां संख्या 05 विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

विज्ञान वर्ग शिक्षक (N= 119)	कार्य उत्तरदायित्व								शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.4141**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.6591**	0.6633**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.5737**	0.4995**	0.6288**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.5453**	0.5122**	0.7592**	0.6356**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7406**	0.5553**	0.7089**	0.6333**	0.6840**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.5652**	0.5324**	0.6263**	0.6340**	0.6114**	0.5146**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.7909**	0.6915**	0.9049**	0.8094**	0.8663**	0.8486**	0.7499**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.6575**	0.6560**	0.7062**	0.6752**	0.6686**	0.6956**	0.5336**	0.8058**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.8058) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7062), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6956), कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6752), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6686), संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6575), प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6560) तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.5336) के साथ भी सकारात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। सभी सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 स्तर पर सार्थक पाए गए। प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अतः विज्ञान वर्ग के अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि विज्ञान वर्ग के अध्यापकों में उच्च कार्य उत्तरदायित्व का सम्बन्ध शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से है। तथापि, सहसम्बन्ध के आधार पर कारणात्मक प्रभाव की पुष्टि नहीं होती।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research

(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed
Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

परिकल्पनां संख्या 06 वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

वाणिज्य वर्ग शिक्षक (N= 54)	कार्य उत्तरदायित्व								शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति
	संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	समाज के प्रति उत्तरदायित्व	सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	
संस्था के प्रति उत्तरदायित्व	1								
प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व	0.5730**	1							
विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.7841**	0.6460**	1						
कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व	0.6221**	0.6440**	0.6471**	1					
शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व	0.7944**	0.6839**	0.7696**	0.7606**	1				
सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व	0.8482**	0.5155**	0.7463**	0.6316**	0.7566**	1			
समाज के प्रति उत्तरदायित्व	0.6549**	0.5689**	0.6330**	0.5333**	0.6240**	0.6720**	1		
सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व	0.8984**	0.7524**	0.8969**	0.8186**	0.9288**	0.8707**	0.7397**	1	
शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति	0.7807**	0.5796**	0.7374**	0.5724**	0.7717**	0.7277**	0.6305**	0.8147**	1

** = 0.01 स्तर पर सार्थक (द्विपक्षीय परीक्षण)।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सर्वाधिक सहसम्बन्ध सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व (r = 0.8147) के साथ पाया गया। इसके अतिरिक्त संस्था के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7807), शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7717), विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7374), सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.7277), समाज के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.6305), प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.5796) तथा कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व (r = 0.5724) के साथ भी सकारात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ। सभी सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 स्तर पर सार्थक पाए गए। प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अतः वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों में कार्य उत्तरदायित्व के उच्च स्तर का सम्बन्ध शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से है। तथापि, सहसम्बन्ध के आधार पर कारणात्मक प्रभाव स्थापित नहीं किया जा सकता।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष निम्नवत् हैं-

1. समग्र अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7808$, $p < 0.01$)। अतः सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
2. पुरुष अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7902$, $p < 0.01$)। अतः पुरुष अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
3. महिला अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7686$, $p < 0.01$)। अतः महिला अध्यापकों से सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
4. पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के अध्यापकों में कार्य उत्तरदायित्व के समस्त आयामों का शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के साथ धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
5. कला वर्ग के अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7537$, $p < 0.01$)। अतः सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
6. विज्ञान वर्ग के अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.8058$, $p < 0.01$)। अतः सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
7. वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों के सम्पूर्ण कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.8147$, $p < 0.01$)। अतः सम्बन्धित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
8. कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों वर्गों के अध्यापकों में कार्य उत्तरदायित्व के सभी आयामों तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
9. समग्र अध्यापकों में संस्था के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.7008$, $p < 0.01$)।
10. समग्र अध्यापकों में प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य मध्यम धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.5574$, $p < 0.01$)।
11. विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.6939$, $p < 0.01$)।
12. कक्षा-शिक्षण के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.6449$, $p < 0.01$)।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

13. शिक्षण-व्यवसाय के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.6824$, $p < 0.01$)।
14. सहकर्मियों के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.6656$, $p < 0.01$)।
15. समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया ($r = 0.5402$, $p < 0.01$)।
16. कार्य उत्तरदायित्व के विभिन्न आयामों में परस्पर धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि अध्यापकों के विभिन्न उत्तरदायित्व एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं।
17. शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के साथ कार्य उत्तरदायित्व के विभिन्न आयामों की तुलना करने पर समग्र अध्यापकों में संस्था के प्रति उत्तरदायित्व का सहसम्बन्ध सर्वाधिक तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व का सहसम्बन्ध न्यूनतम पाया गया।
18. पुरुष अध्यापकों में शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सहसम्बन्ध संस्था के प्रति उत्तरदायित्व के साथ सर्वाधिक तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व के साथ न्यूनतम पाया गया।
19. महिला अध्यापकों में शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सहसम्बन्ध विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व के साथ सर्वाधिक तथा प्रधानाचार्य के प्रति उत्तरदायित्व के साथ न्यूनतम पाया गया।
20. कला एवं वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों में शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का सहसम्बन्ध संस्था के प्रति उत्तरदायित्व के साथ सर्वाधिक पाया गया, जबकि विज्ञान वर्ग के अध्यापकों में विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व के साथ सर्वाधिक सहसम्बन्ध प्राप्त हुआ।
21. समग्र रूप से अध्ययन में पाया गया कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सभी अध्ययनित समूहों में सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सम्बन्ध विद्यमान है। इससे स्पष्ट होता है कि उच्च कार्य उत्तरदायित्व का सम्बन्ध शिक्षण के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति से है।

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व एवं शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। यह सम्बन्ध पुरुष, महिला, कला, विज्ञान तथा वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों में भी विद्यमान था। अतः अध्ययन की सम्बन्धित शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की गईं।

सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्व तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसम्बन्ध विद्यमान है। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जाते हैं—

- अध्यापकों में कार्य उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए विद्यालयों में नियमित प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Research Article
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 09, September. 2026

- शिक्षण के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करने के लिए अध्यापकों को अनुकूल शैक्षिक वातावरण, आवश्यक संसाधन एवं पर्याप्त संस्थागत सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए।
- विद्यालय प्रशासन को अध्यापकों के कार्य उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण करना चाहिए, जिससे वे अपने कर्तव्यों का प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से निर्वहन कर सकें।
- अध्यापकों को विद्यालय की शैक्षिक एवं प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनाया जाना चाहिए, जिससे उनमें संस्थागत उत्तरदायित्व एवं प्रतिबद्धता की भावना विकसित हो सके।
- प्रधानाचार्यों को अध्यापकों के साथ सहयोगात्मक एवं लोकतांत्रिक व्यवहार अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षकों में कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो।
- अध्यापकों को विद्यार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नताओं, शैक्षिक आवश्यकताओं एवं अधिगम संबंधी कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए।
- कक्षा-शिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अध्यापकों को नवीन शिक्षण विधियों, शैक्षिक तकनीकों एवं नवाचारों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करने के लिए अध्यापकों की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान की जानी चाहिए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- विद्यालयों में अध्यापकों के मध्य सहयोग, सामूहिक उत्तरदायित्व एवं सकारात्मक पारस्परिक सम्बन्धों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- अध्यापकों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए उन्हें सामुदायिक विकास, सामाजिक जागरूकता एवं विद्यालय-समुदाय सहयोग संबंधी गतिविधियों में सहभागी बनाया जाना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

Thomas, M. (2025). Influence Of Perceived Autonomy Support and Personality Traits on Accountability of Higher Secondary School Teachers. [Doctoral Dissertation, CHRIST (Deemed to be University)]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/621301

Chatterjee, S. (2024). Accountability of The Elementary School Teachers Working In Government And Private Elementary Schools In The District of Birbhum, West Bengal. [Doctoral Dissertation, Seacom Skills University, Bolpur, Birbhum]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/600901

Khan, S. A., & Raju, B. (2023). Discussion on the accountability of teachers in improving student outcomes. South India Journal of Social Sciences, 23(1), 1–15.

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Islam, T. (2022). Comporative study of accountability, teaching effectiveness and job satisfaction of teacher educators of government and private institutions. [Doctoral Dissertation, Aligarh Muslim University, Aligarh]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/503887

Behera, P., & Behera, L. (2021). Teaching Efficiency and Accountability of Secondary School Teachers Exposed to Samarthya Programme of Odisha. Pedagogy of Learning International Refereed/Peer Reviewed Journal of Education. 7(1), 23-30. https://doi.org/10.46704/pol.2021.vo7iol.003

Devi, Konsam Romita (2025). The General Attitude Towards Teaching Profession and Its Association with Teaching Experience and Age. International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR),7(1),1-5 https://www.ijfmr.com/papers/2025/1/38192.pdf

Kumari, Madhuri 2024). A Study on Teaching Attitude of Prospective Teachers Towards Teaching Profession In Kolhan University. Gap Bodhi Taru: A Global Journal Of Humamities.VII (Special Issue),85-90 https://www.gapbodhitaru.org/res/articles/(85-90)%20A%20STUDY%20ON%20TEACHING%20ATTITUDE%20OF%20PROSPECTIVE%20TEACHERS%20TOWARDS%20TEACHING%20PROFESSION%20IN%20KOLHAN%20UNIVERSITY.pdf

दूबे, आशुतोष कुमार (2023). सरकारी व निजी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि, शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन'. (डॉक्टोरल डिजर्टेशन, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ0प्र0 ।). Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/517911

यादव, संदीप कुमार (2023). जौनपुर जनपद के माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की शिक्षण–व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति, शिक्षण प्रभावशीलता के सम्बन्ध में शैक्षिक अध्ययन'. (डॉक्टोरल डिजर्टेशन, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ0प्र0 ।). Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/558765

Received **06 August 2026**; Accepted **27 September 2026**. Available online: **30 September**. Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License